आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 41 लखनऊ, शनिवार 07 फरवरी 2026 सा 13 फरवरी 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

न दंगे, न कर्फ्यूय आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बना रहा है उत्तर प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में अब न कर्फ्यू है, न दंगे, सब कुछ ठीक है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है। हमने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है। हमने इनकी विरासत का सम्मान और संरक्षण किया है। और इसका परिणाम यह है कि कभी एक कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रहा है और

प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में अब न कर्फ्यू है, न दंगे, सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री एमएल खट्टर और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यहां उपस्थित सभी संत, आध्यात्मिक नेता और भक्त सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं और गंगा के पवित्र तट पर स्थित पवित्र सप्तऋषि क्षेत्र में एकत्रित होकर राष्ट्र और संसेंति में अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन महान व्यक्तित्वों ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय कर्तव्य, सेवा, त्याग और करुणा को समर्पित किया, वे मात्र तपस्वी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना से जुड़े दिव्य संत थे। इस बीच, कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, जूना अखाड़ा आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, शंकराचार्य राजराजेश्वर आश्रम महाराज, योग गुरु बाबा रामदेव, महामंडलेश्वर स्वामी बालकनंद महाराज, महामंडलेश्वर विशोखानंद, महंत देवानंद सरस्वती और महंत नारायण गिरि महाराज सहित बड़ी संख्या में संत, जन प्रतिनिधि और भक्त उपस्थित थे।

बीएसएफ के ६० साल बेमिसालः अमित शाह ने कहा- आपकी कर्तव्य-निष्ठा से सीखता हूं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कठुआ के बोबिया चौकी से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की प्रशंसा करते हुए बल को भारत की रक्षा करने वाली 'अपरिहार्य दीवार' बताया और राष्ट्र की प्रशंसा अर्जित करने का श्रेय बीएसएफ कर्मियों को दिया, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर को उनकी वीरता का एक शानदार उदाहरण बताया। जम्मू और कश्मीर के सीमा चौकी बोबिया के अपने दौरे के दौरान बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जब भी वे बीएसएफ चौकियों का दौरा करते हैं, तो उन्हें बल से कर्तव्य, अनुशासन और बलिदान के पाठ मिलते हैं। शाह ने कहा कि जब भी मैं बीएसएफ चौकी की सीमा पर जाता हूं, चाहे वह कच्छ का रेगिस्तान हो, राजस्थान का रेगिस्तान हो या जम्मू–कश्मीर का इलाका, मैं हमेशा आप सभी से कर्तव्य–चेतना और कर्तव्य–जागरूकता के मूल्यों को सीखता हूं। अगर सभी सेवाओं में किसी एक को सम्मान देना है, तो वह मेरे बीएसएफ के युवा हैं जो हमेशा सीमा पर तैनात रहते हैं। उन्होंने

आगे कहा कि आप अपने ६० साल के वीरतापूर्ण इतिहास के कारण देश की जनता में यह भावना जगाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि बीएसएफ कर्मी हमेशा सोशल मीडिया से जुड़े नहीं रहते हैं, लेकिन आज के बारे में उनकी पोस्ट पर कई टिप्पणियां उनके लिए नहीं बल्कि बीएसएफ कर्मियों के लिए होंगी, जो एक बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आज जब मैं बोबिया चौकी कठुआ आऊंगा, तो सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करूंगा। आप नीचे दिए गए कमेंट जरूर पढ़ें। ये कमेंट देश के गृह मंत्री के लिए एक भी नहीं हैं। ये सभी कमेंट मेरे सीमा रक्षकों के लिए हैं, उनकी बहादुरी और बलिदान के सम्मान में। यह बहुत बड़ी बात है। बीएसएफ की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि बल ने वर्षों में एक महावीर चक्र, दो कीर्ति चक्र, १५ वीर चक्र और १३ शौर्य चक्र के साथ–साथ कई प्रशासनिक सम्मान भी अर्जित किए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ की बहादुरी पिछले छह दशकों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गई है। उस कठिन समय में भी आप सभी ने श्हम सीमा रक्षक हैंश की भावना को हमेशा जीवित और मजबूत रखा। जम्मू–कश्मीर सीमा पर बीएसएफ ने ११८ चौकियों और ३ आतंकवादी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया।

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों की Deadline ६ मार्च तक बढ़ी, सियासी घमासान के बीच Election Commission ने लिया फैसला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों के लिए विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को एक महीने के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे नागरिकों को ६ मार्च, २०२६ तक नाम जोड़ने या हटाने की अनुमति मिल गई है। मूल रूप से आज, ६ फरवरी को समाप्त होने वाली इस प्रक्रिया को चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की मांगों के मद्देनजर अंतिम मतदाता सूची जारी करने की तिथि १० अप्रैल तक बढ़ा दी थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिनवा ने इस बदलाव की घोषणा करते हुए बताया कि यह प्रक्रिया २७ अक्टूबर को शुरू हुई थी, जिसमें प्रारंभिक दावा अवधि ६ जनवरी से ६ फरवरी तक थी, जिसमें नाम जोड़ने के लिए फ र्म ६ और नाम हटाने के लिए फॉर्म ७ का उपयोग किया गया था। पिछले एक महीने में उत्तर प्रदेश में आवेदनों की भारी संख्या दर्ज की गईः नए मतदाताओं के लिए ३७.

८० लाख फॉर्म ६ जमा किए गए और नाम हटाने के लिए ८२,६८४ फॉर्म ७ दाखिल किए गए। व्यापक मतदाता सूची सूचकांक (SIR) के आंकड़ों से पता चलता है कि १२,५५,५६,०२५ मतदाताओं की मसौदा मतदाता सूची तैयार है। कुल फॉर्म ६ की संख्या ५४,३७,८५० रही, जिसमें आम नागरिकों के ३७,८१,४८७ और बूथ लेवल एजेंट (BLA) के ३७,७८६ आवेदन शामिल हैं। फ र्म ७ की कुल संख्या १,३३,६५० है, जिसमें मसौदा सूची के बाद ८२,६८४ नागरिकों के आवेदन, मसौदा सूची से पहले ४६,३६६ आवेदन और BLA के १,५६७ आवेदन शामिल हैं। विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी (एसपी) ने बड़े पैमाने पर वोटों में हेराफेरी के आरोपों पर चिंता जताई है। एसपी प्रमुख अखिलेश यादव ने अधिकारियों पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्याक) समुदायों के वोटों को व्यवस्थित रूप से हटाने के लिए फॉर्म ७ का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग द्वारा एसपी के खंडन के बावजूद, रिनवा ने स्पष्ट किया कि फ र्म ७ के लिए सख्त नियम हैं, जो मनमानी तरीके से वोटों को हटाने से रोकते हैं। इसके जवाब में, एसपी ने राज्य भर में, लखनऊ के कैंट क्षेत्र सहित, फ र्म ६ और ७ भरने में सहायता के लिए शिविर स्थापित किए हैं। प्रदीप अधर्म, अब्दुल्ला, पूजा शुक्ला भासिन और आलोक प्रताप यादव जैसे पार्टी नेताओं ने एसपी के वोटों में कटौती की साजिश के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया है। इस विस्तार का उद्देश्य संभावित चुनावों से पहले भागीदारी बढ़ाना और सटीकता सुनिश्चित करना है, लेकिन यह राज्य में बढ़ते राजनीतिक विभाजन को उजागर करता है।

सम्पादकीय

एसआईआर के खिलाफ ममता की अपनी लड़ाई

ममता बनर्जी इस मामले में अनूठी राजनेता हैं कि सत्ता के ऊंचे पदों पर रहने के बावजूद उन्होंने अपनी जूझारू भूमिका कभी नहीं छोड़ी। १५ साल से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस दौरान उनकी गतिविधियों ने कोलकाता की सड़कों को कभी सियासी तौर पर सूना नहीं होने दिया। इस बीच बुधवार को उन्होंने नया चोला पहना। युवावस्था में ली गई कानून की डिग्री का उपयोग करते हुए वे सुप्रीम कोर्ट में बतौर वकील पेश हुईं। इस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपनी लड़ाई को उन्होंने नया मुकाम दिया। इसके पहले पश्चिम बंगाल के उन जीवित मतदाताओं को लेकर वे निर्वाचन आयोग के दफ्तर गई थीं, जिनके नाम कथित तौर पर गलत ढंग से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का आरोप है कि निर्वाचन आयोग में उनसे बदसलूकी की गई, इसलिए आनन– फानन में उन्हें वहां से निकलना पड़ा। तो सुप्रीम कोर्ट में अपने खास अंदाज में उन्होंने इस केस की पैरवी की। समाधान क्या निकलेगा, कहना कठिन है। एसआईआर की प्रक्रिया गंभीर विसंगतियों से ग्रस्त रही है। इस कारण भारत की चुनाव व्यवस्था को लेकर अविश्वास बढ़ा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से प्रक्रियागत खामियां दूर करने में कई बार मदद मिली, लेकिन इससे बुनियादी मुद्दे हल नहीं हुए। ममता बनर्जी के वकील की भूमिका अपनाने से इस सूरत में आमूल बदलाव होगा, इसकी संभावना कम ही है। लेकिन अंत तक और हर मोर्चे पर संघर्ष करने के ममता के इरादे ने यह जरूर दिखाया है कि लोकतंत्र के सिकुड़ने का रोना रोने वाले विपक्षी राजनेता ऐसी परिस्थितियों में अपना दायित्व कैसे निभा सकते हैं। लोकतंत्र में किसी समस्या को मुद्दा बना देने और उसे लगातार मुद्दा बनाए रखने का अपना महत्त्व होता है। ऐसा हर उपलब्ध मंच और माध्यम का इस्तेमाल करते हुए ही किया जा सकता है। ममता बनर्जी ने एक समय अपराजेय दिखने वाला लेफ्ट फ्रंट का किला इसी अंदाज से ध्वस्त किया था। अब उसी ढंग से वे अपना किले को बचाने की जद्दोजहद में हैं। यह अंदाज अहम है। इसका महत्त्व चुनावी सफलता या विफलता से तय नहीं होगा।

परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ

पांच दशक में ऐसी स्थिति पहली बार आई है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा टालने की किसी संधि का अस्तित्व नहीं है। चार फरवरी को अमेरिका और रूस के बीच मौजूद न्यू स्टार्ट (स्ट्रेटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) की अवधि समाप्त हो गई। रूस ने अमेरिका से नई संधि होने तक न्यू स्टार्ट की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने उसे नजरअंदाज कर दिया। इस तरह अमेरिका और रूस अब असीमित संख्या में परमाणु हथियारों की तैनाती के लिए स्वतंत्र हैं। २०१० में हुई न्यू स्टार्ट के तहत दोनों देशों ने अधिकतम १५५० परमाणु अस्त्रों की तैनाती की सीमा तय की थी। साथ ही प्रावधान था कि दोनों देश एक दूसरे की तैनाती के ठिकानों या अन्य परमाणु ठिकानों का निरीक्षण कर सकेंगे। इसके तहत अंतर–महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती की संख्या भी तय थी। परमाणु अस्त्रों की होड़ से बचने के लिए संधि की शुरुआत १९७० के दशक से हुई। तब से हमेशा किसी ना किसी संधि का अस्तित्व रहा। मगर अब ऐसा नहीं है। इससे परमाणु हथियारों और मिसाइलों की नई होड़ का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका की दलील है कि चीन उसके लिए खतरा बन कर उभर रहा है, जो उपरोक्त संधि में शामिल नहीं था। चीन का कहना है कि उसके पास मौजूद परमाणु हथियार अमेरिका और रूस से बहुत कम हैं, इसलिए उसे इस विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए। एक आकलन के मुताबिक अमेरिका के पास कुल ३,७००, रूस के पास ४,३०६ और चीन के पास लगभग ६०० परमाणु हथियार हैं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने गोल्डेन डोम परियोजना पर काम शुरू किया है। यह मिसाइल रक्षा कार्यक्रम है। रूस और चीन का कहना है कि इसका निर्माण होने के बाद सामरिक समीकरण बदल जाएंगे। उसे देखते हुए उन्हें अपने परमाणु अस्त्रागार और मजबूत करने होंगे। दलील यह भी है कि गोल्डेन डोम न्यू स्टार्ट की भावना का उल्लंघन है। इस तरह सभी महाशक्तियों ने तर्क ढूंढ लिए हैं, जिसके परिणास्वरूप दुनिया पर परमाणु विनाश का खतरा और सघन हो गया है।

घूसखोर पंडत वेब सीरीज के खिलाफ ब्राह्मणों का प्रदर्शन, Yogi ने लिया सख्त एक्शन, निर्माता-निर्देशक पर करवाई FIR

लखनऊ। वेब सीरीज घूसखोर पंडत को लेकर बढ़ते विवाद के बीच लखनऊ के हजरतगंज थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस वेब सीरीज के निर्देशक और निर्माण दल के कई सदस्यों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। शिकायत में कहा गया है कि वेब सीरीज की विषयवस्तु और विशेषकर उसका नाम जन भावनाओं को आहत करता है और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ सकता है। प्रशासन ने सीधे कानूनी कदम उठाकर साफ कर दिया है कि जन असंतोष को नजरअंदाज नहीं किया जायेगा। पुलिस के अनुसार बीते दिनों वेब सीरीज के नाम को लेकर कई शिकायतें मिलीं। कुछ वर्गों ने कहा कि घूसखोर शब्द को पंडत जैसे शब्द के साथ जोड़ना पूरे पंडित समाज पर कीचड़ उछालने जैसा है। इससे रोष और अशांति फैल सकती है। इन शिकायतों के बाद हजरतगंज के निरीक्षक विक्रम सिंह ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए मामला आगे बढ़ाया। प्राथमिकी में निर्देशक और निर्माण से जुडे कई लोगों के नाम शामिल किये गये हैं। हम आपको बता दें कि इस मामले ने तब और जोर पकड़ा जब यह जानकारी सामने आयी कि मुख्यमंत्री ने खुद कानून व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये। शासन का संदेश साफ है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर समाज को भड़काने की छूट नहीं दी जा सकती। उधर, विवाद बढ़ने पर निर्देशक नीरज पांडे ने बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह एक काल्पनिक

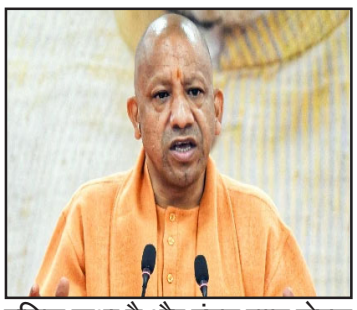

पुलिस कथा है और पंडत शब्द केवल एक काल्पनिक चरित्र का बोली में प्रचलित नाम है। उनका दावा है कि कहानी किसी जाति, धर्म या समुदाय पर टिप्पणी नहीं करती, बल्कि एक व्यक्ति के कर्म पर केंद्रित है। उन्होंने यह भी कहा कि एक रचनाकार के रूप में वह जिम्मेदारी और सम्मान का ध्यान रखते हैं। इस बीच, लगातार बढ़ते विरोध के बीच निर्माण दल ने फिलहाल सारी प्रचार सामग्री हटा लेने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि वेब सीरीज को पूरी कहानी के संदर्भ में समझा जाना चाहिये, न कि छोटी झलक के आधार पर परखा जाना चाहिये। उन्होंने भरोसा जताया कि शीघ्र ही दर्शकों के सामने पूरी वेब सीरीज पेश की जायेगी। इस बीच वेब सीरिज निर्माता संघ ने भी आपत्ति जताते हुए सूचना जारी की है कि शीर्षक के लिये जरूरी अनुमति नहीं ली गयी। संघ के अनुसार उद्योग के नियमों के तहत नाम की स्वीकृति अनिवार्य है और उसका पालन नहीं किया गया। हम आपको बता दें कि यह वेब सीरीज अभिनेता मनोज बाजपेयी को अजय दीक्षित नाम के एक भ्रष्ट और नैतिक रूप से गिर चुके पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाता है, जिसे उपनाम पंडत से पुकारा जाता है। यह कहानी एक ही रात में घटती घटनाओं पर आधारित है। इसमें नुसरत भरुचा और साकिब सलीम भी प्रमुख भूमिका में हैं। बहरहाल, देखा जाये तो यह प्रकरण केवल एक वेब सीरीज का विवाद नहीं, बल्कि हमारे समय का आईना है। रचनाकार जब समाज से विषय लेते हैं तो उन्हें यह भी समझना होगा कि शब्दों की चोट तलवार से गहरी होती है। यदि नाम ही ऐसा हो जो किसी समुदाय को कटघरे में खड़ा कर दे, तो रोष स्वाभाविक है। कला को आजादी चाहिये, पर आजादी का अर्थ बेलगाम उकसावा नहीं हो सकता।

क्या ब्राह्मण वोट पर है मायावती की नजर? 'घूसखोर पंडित' पर बैन की मांग के पीछे उत्तर प्रदेश राजनीति का गेम!

लखनऊ। हाल ही में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती के एक तीखे बयान ने सियासी हलकों के साथ–साथ फिल्म जगत में भी हलचल मचा दी है। उन्होंने फिल्म 'घूसखोर पंडित' पर ब्राह्मण समाज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए इसे प्रतिबंधित करने की मांग की है। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा में जाति आधारित प्रस्तुति और उसकी राजनीतिक अहमियत को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मायावती की नाराजगी फिल्म के एक खास श्य को लेकर है, जिसे वह ब्राह्मण समुदाय को नकारात्मक रूप में दिखाने वाला मानती हैं। 'घूसखोर पंडित' को सामाजिक बुराइयों और भ्रष्टाचार पर व्यंग्यात्मक फिल्म के तौर पर पेश किया गया है, लेकिन इसके कथित कंटेंट को लेकर कई राजनीतिक दलों ने आपत्ति जताई है। मायावती द्वारा फिल्म पर बैन की मांग यह दिखाती है कि भारत में सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक पहचान और राजनीतिक विमर्श का भी अहम हिस्सा बन चुका है। मायावती की कड़ी प्रतिक्रिया इस बात को रेखांकित करती है कि भारत में जाति से जुड़े मुद्दे कितने संवेदनशील हैं। किसी भी समुदाय के खिलाफ अपमानजनक चित्रण का आरोप तेज विरोध और राजनीतिक दबाव को जन्म दे सकता है। उनका यह रुख केवल ब्राह्मण समाज की छवि बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक सोच को भी दर्शाता है, जिसके तहत वह मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर सभी समुदायों के चित्रण को जवाबदेह बनाने की बात करती रही हैं। यह विवाद फिल्म निर्माताओं की भूमिका और जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करता है। व्यंग्य और कटाक्ष सामाजिक सच्चाइयों को

सामने लाने का सशक्त माध्यम हो सकते हैं, लेकिन यदि इन्हें संतुलन के बिना प्रस्तुत किया जाए तो गलतफहमी और विरोध की स्थिति बन सकती है। भारतीय सिनेमा का इतिहास बताता है कि जाति जैसे विषयों पर बनी फिल्मों ने कभी समाज को आईना दिखाया है, तो कभी विरोध प्रदर्शन और सेंसरशिप की मांग को जन्म दिया है। 'घूसखोर पंडित' को लेकर उठा विवाद आज के डिजिटल युग की एक और सच्चाई को उजागर करता है। सोशल मीडिया के चलते जनभावनाएं तेजी से आकार लेती हैं और राजनीतिक बयान तुरंत बहस का रूप ले लेते हैं। मायावती की त्वरित प्रतिक्रिया और उसके बाद छिड़ी चर्चा यह संकेत देती है कि आने वाले समय में फिल्मों के कंटेंट पर राजनीतिक और सामाजिक नजर और सख्त हो सकती है। मायावती का यह कदम केवल एक फिल्म विरोध तक सीमित नहीं माना जा रहा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह उनके व्यापक राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा भी हो सकता है। इस मुद्दे को उठाकर वह अपने समर्थक वर्ग को एकजुट करने के साथ–साथ उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण मतदाताओं के बीच भी अपनी पकड़ मजबूत करने का संदेश देती नजर आती हैं। इसके जरिए वह यह भी जताना चाहती हैं कि किसी भी समुदाय को, चाहे उसका सामाजिक इतिहास कुछ भी रहा हो, उपहास का पात्र नहीं बनाया जाना चाहिए। कुल मिलाकर, 'घूसखोर पंडित' पर प्रतिबंध की मांग ने यह साफ कर दिया है कि भारत में सिनेमा, जाति और राजनीति एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। जहां एक ओर रचनात्मक स्वतंत्रता का सवाल है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक जिम्मेदारी और भावनाओं का सम्मान भी उतना ही जरूरी है। यह मामला फिल्मकारों और नेताओं दोनों के लिए एक संकेत है कि विविधताओं से भरे भारतीय समाज में संतुलन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है।

सीता मइया के दिव्य चरित का ज्ञान करायेगी 'वैदेही आर्ट गैलरी' : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन–चरित पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। बुधवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया

भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक आदर्शों की अनुपम प्रेरणा हैं, और नई पीढ़ी को उनके उज्ज्वल चरित्र से गहराई से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। आर्ट गैलरी की परिकल्पना साझा करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अत्याधुनिक गैलरी केवल एक कला–संग्रहालय न होकर, सीता माता के जीवन, त्याग, करुणा, मर्यादा, धैर्य और शक्ति का आधुनिक तकनीक के माध्यम से पुनर्पाठ प्रस्तुत करने वाली एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव–स्थली होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि इस गैलरी की कथा–वस्तु, डिजाइन, विजुअल भाषा, कला और तकनीक सहित सभी आयाम इस भावना को प्रकट करे कि हम एक दिव्य विरासत का पुनर्पाठ कर रहे हैं, जिसे नई पीढ़ी के सामने प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदेही आर्ट गैलरी की मूल भावना यही हो कि आगंतुक सीता माता के जीवन–संदेश को केवल देखें नहीं, बल्कि उसे अनुभव करें, समझें और आत्मसात करें। अयोध्या विकास प्राधिकरण के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निकट वशिष्ठ भवन परिसर में विकसित की जा सकती, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस गैलरी का विकास अयोध्या के वैश्विक सांस्कृतक नगर के रूप में उभरने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण चरण होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

हरिद्वार से गरजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीमाओं के साथ संस्कृति को भी बचाना होगा

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि देश की संस्कृति और सभ्यता की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसकी सीमाओं की सुरक्षा करना, और

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को रेखांकित किया। हरिद्वार में सप्तऋषि आश्रम में स्वामी सत्यमित्रानंद की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने भारत की सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों की रक्षा का आग्रह किया और चेतावनी दी कि कमजोर सांसेंतिक जड़ें विघटन का कारण बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तब तक सही मायने में सुरक्षित नहीं है जब तक उसकी सांस्कृतिक नींव, उसके मूल्य और उसकी पहचान सुरक्षित न हो। मैं रक्षा मंत्री के रूप में भी आपके समक्ष उपस्थित हूं। आमतौर पर यह माना जाता है कि रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी केवल सीमाओं और सशस्त्र बलों की सुरक्षा तक ही सीमित होती है। हालांकि, मेरा मानना है कि किसी राष्ट्र की सुरक्षा उसकी भौगोलिक सीमाओं से परे तक फैली हुई है। सांस्कृतिक पहचान और सभ्यता की रक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि जिन राष्ट्रों ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर होने दिया, वे अंततः विघटित हो गए, चाहे उनकी सैन्य शक्ति कितनी भी महान क्यों न रही हो। आज हमारी संस्कृति एक अदृश्य युद्धक्षेत्र में खड़ी है। हमारे गौरवशाली इतिहास को विंत किया जा रहा है। इस पर कई तरह के हमले हो रहे हैं। हमारी युवा पीढ़ी स्थानीय संस्कृति से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में, संस्कृति की ओर लौटना ही समय की मांग है। उन्होंने संतों और आध्यात्मिक नेताओं से युवाओं के साथ जुड़कर सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। सिंह 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के समर्थक हैं और उनका तर्क है कि भारत की एकता उसकी संत परंपरा से उत्पन्न होती है। सिंह ने कहा कि संत और आध्यात्मिक गुरु इस पुनर्जागरण के केंद्र में हैं। सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के प्रवर्तक बनने के लिए संतों को आधुनिक संचार माध्यमों से युवाओं के साथ अधिक जुड़ने की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता में निहित है। हमें मात्र राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर बढ़ना होगा। राष्ट्र का विचार तलवार से नहीं, बल्कि ऋषियों के आश्रमों से उत्पन्न हुआ है। भारत एकजुट इसलिए है क्योंकि हमारे संतों ने इसे एकजुट रखा है। संत परंपरा हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी संत परंपरा यह दर्शाती है कि प्रगति करते हुए भी आत्मा को संरक्षित रखा जा सकता है। यदि शंकराचार्य केवल एक ही स्थान तक सीमित रहते, तो क्या भारत आज ऐसा होता? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति को "बाहरी हमलों" से बचाना आवश्यक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए स्टार्टअप और सांसृतिक पुनरुद्धार जैसी पहलों की सराहना की।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेटों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया।

लखनऊ। एनसीसी निदेशालय उप्र ने शुक्रवार को जन भवन में भव्य अलंकरण समारोह आयोजित किया। इस समारोह में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी)–२०२६ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के एनसीसी कैडेटों को मुख्य अतिथि

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया। लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज व मेरठ के कुल ११ एनसीसी ग्रुपों से १२७ एनसीसी कैडेटों ने कर्नल अमिताभ कुमार, कंटिंजेंट कमांडर के नेतृत्व में आरडीसी– २०२६ में उप्र का प्रतिनिधित्व किया। कैडेटों ने अनुशासन, समन्वय, नेतृत्व तथा सांसेंतिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मेजर जनरल गौरव गौतम, वीएसएम, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (उप्र) ने संबोधित करते हुए कैडेटों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उच्च प्रशिक्षण मानकों की सराहना की। एनसीसी ग्रुप गाजियाबाद को इंटर–ग्रुप कंपीटिशन बैनर भेंट किया गया, जिसे ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अजीत सिंह ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत समुदायिक प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में प्रशिक्षित उत्तर प्रदेश के एनसीसी कैडेटों को भी आरडीसी – २०२६ के दौरान विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। ६४ यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ के लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय के विशेष मार्गदर्शन में इन कैडेटों का चयन राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों को योजना के संबंध में ब्रीफिंग देने के लिए किया गया।

लखनऊ में अग्निवीर भर्ती रैली का शुभारंभ

लखनऊ। रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के तत्वावधान में आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय), लखनऊ द्वारा शुक्रवार से लखनऊ छावनी स्थित एएमसी सेंटर एवं कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली का शुभारंभ किया गया। भर्ती रैली के प्रथम दिन एआरओ लखनऊ के अंतर्गत आने वाले उत्तर प्रदेश के १३ जिलों की सभी तहसीलों के अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (८वीं एवं १०वीं पास) श्रेणी की भर्ती आयोजित की गई। इस श्रेणी में कुल ३७० अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र जारी किया गया था, जिनमें से २६५ अभ्यर्थियों ने रैली में भाग लिया। मेजर जनरल मनीष कुमार, जेडआरओ (यूपी एवं यूके) ने रैली को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया तथा प्रतिभागियों को अपनी योग्यता सिद्ध करने के लिए शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति के अनुसार सात फरवरी को संबंधित १३ जिलों की सभी तहसीलों के लिए अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल (एसकेटी) श्रेणी की भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। एआरओ लखनऊ के अंतर्गत औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ जिलों से लगभग १३ हजार अभ्यर्थियों को इस रैली के लिए श र्टलिस्ट किया गया है। सेना भर्ती कार्यालय ने अभ्यर्थियों को दलालों से सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा है कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष एवं पारदर्शी है। किसी भी समस्या की स्थिति में अभ्यर्थी रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय), लखनऊ से संपर्क कर सकते हैं।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने वेतन न देने का लगाया आरोप

मोहम्मदी संवाददाता। क्षेत्र के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में कर्मचारियों ने विवादों की झड़ी लगा दी पेड़ कटने का मामला चल ही रहा था तभी संयुक्त रूप से आउटसोर्स कर्मचारीयों ने प्रधानाचार्य पर ७ महीने से वेतन न देने समेत तमाम गंभीर और आपत्तिजनक आरोप लगाते हुए बॉम्बे इंटीग्रेट सिक्योरिटी लखनऊ को शिकायती पत्र दिया है। एक दिन पहले पॉलिटेक्निक कॉलेज में अवैध रूप से कीमती पेड़ काटे जाने का मामला सुर्खियों में हैं जिसमें विधिक कार्रवाई की जा रही है वहीं आउटसोर्स एमटीएस कर्मचारी अंकित, युवराज दत्त, विपिन कुमार, सुरेंद्र कुमार, शोभित कुमार, सचिन कुमार समेत सभी कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से प्रधानाचार्य के खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा खोल दिया है जिसमें उन्होंने अपने आवास के निजी कार्य शौचालय साफसफाई, छात्रावास की सफाई और कपड़े धुलने जैसे तमाम निजी कार्य जबरन दबाव बनाकर कराने का गंभीर आरोप लगाया है। विरोध करने पर लंबे समय से वेतन का भुगतान न होने पर परिवार के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। समाधान के लिए पूछने पर प्राचार्य द्वारा अश्लील गालियां देने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वही तकनीकी शिक्षा के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते विद्यालय में अराजकता का माहौल बना हुआ है।

'सलाह सबकी सुनें, पर भरोसा खुद पर रखें', प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को दिया सफलता का 'मूल मंत्र'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास ७, लोक कल्याण मार्ग (LKM) पर 'परीक्षा पे चर्चा' (PPC) के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस बार पीएम का जोर केवल परीक्षा में अंक लाने पर नहीं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की भावना को अपनाने और जीवन के सर्वांगीण विकास पर रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर जोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने ७, लोक कल्याण मार्ग (LKM) आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' (PPC) के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सभी की सलाह सुननी चाहिए, लेकिन उन्हें हमेशा अपने तरीके से काम करना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही वह प्रधानमंत्री बन गए हैं, फिर भी लोग उन्हें सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने काम करने के तरीके में कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन अपना ष्मूल तरीकाष नहीं छोड़ा है। PM मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य सफलता हासिल करना नहीं होना चाहिए और ध्यान सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आपके माता–पिता, या शिक्षक, या दोस्त कुछ भी कहें, आप सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए अपने तरीके पर विश्वास रखें और उसका पालन करें।' 'मैं बीते हुए कल को नहीं देखता, मैं हमेशा आने वाले कल को देखता हूं... कई बार शिक्षक सिर्फ वही पढ़ाते हैं जो महत्वपूर्ण होता है और

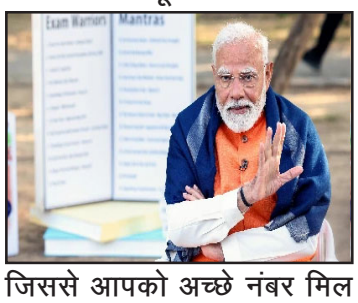

जिससे आपको अच्छे नंबर मिल सकें, लेकिन एक अच्छा शिक्षक सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है और सब कुछ सिखाता है।' छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, PM मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को AI का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन यह हमेशा उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद नहीं करेगा। जब एक छात्र ने उन्हें बताया कि वह गेम डेवलपर बनना चाहता है, तो PM मोदी ने कहा कि गेमिंग एक स्किल है, लेकिन गेमिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि गेमिंग एक स्किल है और इसका इस्तेमाल सतर्कता जांचने और आत्म– विकास के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि भारत में इंटरनेट सस्ता हो गया है, और बताया कि उनकी सरकार ने सट्टेबाजी के खिलाफ कानून बनाया है। उन्होंने कहा, 'आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, लेकिन सिर्फ इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है। मजे के लिए ऐसा न करें। जो लोग पैसे के लिए गेमिंग करते हैं, वे बर्बाद हो जाएंगे। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है।ष परीक्षा पे चर्चा २०२६ इस साल परीक्षा पे चर्चा का नौवां एडिशन आयोजित किया गया – जो पहली बार २०१८ में हुआ था – जिसे संसद के बाल योगी ऑडिटोरियम में भी दिखाया गया। दिल्ली के अलावा, इसे असम के गुवाहाटी, छत्तीसगढ़ के रायपुर, तमिलनाडु के कोयंबटूर और गुजरात के देव मोगरा में आयोजित किया गया। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस साल परीक्षा पे चर्चा के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों सहित ४.५ करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

संसद में गतिरोध बरकरार, दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार व्यवधान उत्पन्न करने के कारण लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले, अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी और तख्तियां प्रदर्शित करने के लिए सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के कुल १६ घंटे और १३ मिनट बर्बाद हो चुके हैं। सदन सोमवार (६ फरवरी, २०२६) को सुबह ११ बजे पुनः बैठेगा।

बजट सत्र का पहला चरण १३ फरवरी को समाप्त होगा, जिसके बाद संसद ६ मार्च तक अवकाश पर रहेगी। इसी बीच राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच तीखी नोकझोक हुई। यह नोकझोक राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर थी, जिन्होंने २०२४ के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इससे पहले संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिट्टू को 'गद्दार' कह दिया था, जिसके बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटा पहले ही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही निर्धारित समय से पहले स्थगित करने का प्रस्ताव कांग्रेस की तरफ से आया जिसे सरकार ने मान लिया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि पिछले १० वर्षों में भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है और अब सभी खर्च पूरी करने के बाद कुछ राजस्व अधिशेष है। वैष्णव ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि २०१४–२४ के दौरान ५.०४ लाख नौकरियां सृजित की गईं, जबकि वर्तमान सरकार के तीसरे कार्यकाल में १.५ लाख और रोजगार प्रदान किये जा रहे हैं। राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि देश में ऐसे बच्चों की संख्या को देखते हुए अनुकूल शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षक तैयार किए जाएं। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए जया ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित लोगों की कमी रेखांकित की। राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि ने सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ६० साल से अधिक उम्र के उनके बुजुर्ग माता–पिता की देखभाल हेतु ४५ दिन की अनिवार्य छुट्टी की मांग की। गोवा के भाजपा सांसद सदानंद शेट तानावड़े ने शुक्रवार को राज्य में पर्यटन को निशाना बनाने वाले अ नलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर राज्यसभा में चिंता व्यक्त की और सरकार से फर्जी होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के खिलाफ कड़े कदम उठाने का आग्रह किया।

जम्मू आते ही सीधे सीमा पर पहुँचे अमित शाह, खुद लिया सीमा चौकियों का जायजा, बीएसएफ जवानों को सराहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए आज कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला रखी। हम आपको बता दें कि अमित शाह के लगातार सीमा चौकियों के दौरे को जवानों के बीच बेहद सकारात्मक माना जा रहा है। वह केवल सुरक्षा स्थिति की गहरी समीक्षा ही नहीं करते बल्कि अपने सीधे संवाद से जवानों का हौसला भी बढ़ाते हैं। उनके ऐसे दौरे यह संदेश देते हैं कि देश की सुरक्षा में लगे हर जवान के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। अपने संबोधन में अमित शाह ने खुद भी यह कहा कि वह जवानों से बहुत कुछ प्रेरणा लेकर जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि अमित शाह ने जम्मू के लोक भवन में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और बाद में आतंकवाद से पीड़ित कुछ परिवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किये। अमित शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गयी चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब १२ मुठभेड़ों में जैश–ए–मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। अमित शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे थे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया था। उधर, सीमावर्ती बोबिया गांव के लोगों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्रीय गृह मंत्री अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान ब र्डर फेंसिंग को आगे बढ़ाने की घोषणा करेंगे ताकि वह आगे तक खेती कर सकें।

नेपाल पोखरा से भारत पहुंची सर्वोदय शांति पदयात्रा पदयात्रा में तिकुनिया से भी जैन समाज के लोग जुड़े

निघासन खीरी। मानवता, सद्भाव और वैश्विक शांति के संदेश को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय मानव मिलन संस्था के संस्थापक नेपाल केसरी राष्ट्रसंत डाक्टर मणिभद्र मुनिजी महाराज सहित छह गुरुदेवों की श्सर्वोदय शांति पदयात्रा छह फरवरी को भारत पहुंची तो जोरदार स्वागत हुआ। पदयात्रा में तिकुनिया से भी जैन समाज के लोग शामिल होने पहुंचे। सर्वोदय शांति पदयात्रा का शुभारंभ सात जनवरी को नेपाल के पोखरा से हुआ था। अंतर्राष्ट्रीय मानव मिलन संस्थापक नेपाल केसरी राष्ट्र संत जैन मुनि डाक्टर मणिभद्र मुनि जी महाराज की सर्वोदय शांति पथयात्रा ६ फरवरी को भारत पहुंची तो जोरदार स्वागत हुआ। पदयात्रा में भारत व नेपाल के कोने–कोने से भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल होने पहुंचे। भारत में यह पदयात्रा गोरखपुर, वाराणसी (बनारस) समेत उत्तर प्रदेश के कई जनपदों से होते हुए छत्तीसगढ़ के दुर्ग में संपन्न होगी। राष्ट्रसंत नेपाल केसरी डाक्टर मणिभद्र मुनिजी महाराज अभी तक ६०००० किलोमीटर से अधिक की पदयात्रा कर चुके हैं। उन्होंने भारत व नेपाल के साथ भूटान में भी पदयात्रा कर शांति का संदेश दिया है। उन्होंने शांति का संदेश देते हुए कहा कि यह पदयात्रा न केवल दो देशों की सीमाओं को जोड़ेगी, बल्कि मैत्री, करुणा और सर्वोदय के सिद्धांतों को भी पुख्ता करेगी। नेपाल से तमाम संस्थाओं के संत महात्माओं बुद्ध परंपरा के संत भंते सुमंगलों, नाथ संप्रदाय के डाक्टर चूड़ामणि, ध ार्मिक अभियंता श्री पुष्पराजने इस पदयात्रा में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नेपाल के मनमोहन चौधरी पूर्व मेयर लुंबिनी, पूर्व मंत्री भरत कुमार शाह, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव, आसामी बाबा, शीतल प्रसाद जैन, मुकेश कुमार जैन, दिनेश कुमार जैन, सिद्धम जैन, धनंजय जैन, विनोद जैन, जितेंद्र जैन सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर राहुल गांधी का पलटवार, बोले- जो उचित समझो वही करो

नई दिल्ल। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उचित समझो वही करो। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और 'जो उचित समझो वही करो' के नारे लगाते हुए तख्तियां दिखाईं जिन पर धोखाधड़ी लिखा था। इस बीच, भारी नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया और यह ६ फरवरी को सुबह ११:०० बजे फिर से शुरू होगी। एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादास्पद गद्दार टिप्पणी को लेकर पार्टी के युवराज पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के अहंकार की पराकाष्ठा बताया। उच्च सदन में बहस के दौरान बोलते हुए,

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़ी घटना का जिक्र किया, जिन्होंने २०२४ के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रवनीत बिट्टू को संसद के बाहर 'गद्दार' कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल जो हुआ – कांग्रेस के 'युवराज', जिनका 'शातिर दिमाग' है, ने सदन के एक सदस्य को गद्दार कहा। उनका अहंकार चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य लोगों को गद्दार नहीं कहा, लेकिन इस सांसद को सिर्फ इसलिए गद्दार कहा क्योंकि वह सिख हैं। यह सिखों का अपमान है, गुरुओं का अपमान है। यह कांग्रेस की नफरत को दर्शाता है। बुधवार को संसद के मकर द्वार के पास राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई कहासुनी के बाद यह विवाद शुरू हुआ। गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार यहाँ से गुजर रहा है। उसका चेहरा देखो और बाद में जोड़ा, 'नमस्कार, भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस आओगे।' बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार करते हुए गांधी को 'देश का दुश्मन' कहा।

दिल्ली में 'लापता लड़किया' की वायरल खबरें फेक खबरें? पुलिस बोली- यह पेड प्रमोशन का खेल था

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली में लापता लड़कियों की बढ़ती संख्या को लेकर चल रही अटकलों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि ये अफवाहें पैसे लेकर प्रचार के जरिए फैलाई जा रही हैं। पुलिस ने जोर देकर कहा कि अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और पैसे के लालच में दहशत फैलाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने **X** पर एक पोस्ट में लिखा कि कुछ सुरागों का पीछा करने के बाद, हमने पाया कि दिल्ली में लापता लड़कियों की बढ़ती संख्या को लेकर जो अफवाह फैलाई जा रही है, वह पैसे लेकर प्रचार के जरिए फैलाई जा रही है। पैसे के लालच में दहशत फैलाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने जनता को आश्वस्त किया था कि राष्ट्रीय राजधानी में लापता व्यक्तियों की बढ़ती रिपोर्टों के बीच, विशेष रूप से बच्चों के संबंध में, डरने या घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली पुलिस के पीआरओ संजय त्यागी ने गुरुवार को कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में शहर में गुमशुदा लोगों की रिपोर्ट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। वास्तव में, जनवरी २०२६ में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में ऐसे मामले कम दर्ज किए गए। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी एक वीडियो में त्यागी ने कहा कि दिल्ली में गुमशुदा लोगों, विशेषकर बच्चों को लेकर डरने या घबराने की कोई जरूरत नहीं है। पिछले वर्षों की तुलना में दिल्ली में गुमशुदा लोगों की रिपोर्ट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। जनवरी २०२६ में, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में गुमशुदा लोगों की रिपोर्ट में कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस अपराध की निष्पक्ष और पारदर्शी रिपोर्टिंग की नीति का पालन करती है। उन्होंने आगे कहा कि लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट न केवल स्थानीय पुलिस स्टेशनों में बल्कि ऑनलाइन या ईआरएसएस ११२ के माध्यम से भी की जा सकती है। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत, दिल्ली पुलिस लापता बच्चों का पता लगाने को प्राथमिकता देती है और त्वरित कार्रवाई करती है। जिलों में गठित समर्पित लापता व्यक्ति दस्ते, अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई के साथ मिलकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं। त्यागी ने इस बात पर जोर दिया कि लापता बच्चों या अपहरण के मामलों में किसी भी संगठित गिरोह की संलिप्तता नहीं पाई गई है। इससे पहले गुरुवार को, दिल्ली पुलिस ने आंकड़े जारी किए जिसमें दिखाया गया कि राष्ट्रीय राजधानी में जनवरी २०२६ में पिछले वर्ष की तुलना में लापता व्यक्तियों के मामलों में कमी आई है।

६ थानों के चक्कर काटता रहा परिवार, पुलिस की लापरवाही से गड्ढे में गई ठपामत की जान?

नई दिल्ली। राजधानी के जनकपुरी इलाके में गुरुवार रात मोटरसाइकिल से घर लौटते समय एक बाइकर की कथित तौर पर गड्ढे में गिरने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान कमल ध्यानी (२५) के रूप में हुई है। ध यानी के भाई ने बताया कि छह पुलिस स्टेशनों में जाने के बाद भी परिवार को कोई मदद नहीं मिली और सुबह फोन करने पर ही उन्हें मौत की सूचना मिली। फोन एक अधिकारी ने उठाया और उन्हें उनकी मृत्यु की सूचना दी। ध्यानी के भाई ने बताया कि जब मैंने आखिरी बार उससे बात की थी, तो उसने कहा था कि वह १० मिनट में घर पहुँच जाएगा। जब मैंने उसे रात १२:३० बजे दोबारा फोन किया, तो उसने फोन नहीं उठाया। हम चिंतित हो गए। हमने उसकी तलाश शुरू कर दी। मैं पहले रोहिणी स्थित उसके कार्यालय गया, फिर जनकपुरी पुलिस स्टेशन गया। पुलिस ने हमें इस इलाके में उसकी आखिरी लोकेशन बताई। हम उसे ढूंढते रहे, लेकिन वह नहीं मिला। यह घोर लापरवाही है। मेरा भाई पागल नहीं था कि वह जानबूझकर गड्ढे में गाड़ी गिरा दे। उन्होंने आगे कहा कि रात १::३० बजे मैंने गड्ढे में जाकर देखा, लेकिन वह उस समय वहाँ नहीं था। हमने कम से कम ६ पुलिस स्टेशनों का दौरा किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली... सुबह जब मैंने दोबारा अपने भाई के फोन नंबर पर कॉल किया, तो पुलिस ने फोन उठाया और हमें बताया कि उसका शव गड्ढे से बरामद कर लिया गया है। अगर पुलिस ने समय पर कार्रवाई की होती, तो मेरा भाई आज जीवित होता। मृतक के मित्र ने बताया कि पुलिस स्टेशन पहुंचने पर उन्हें शिकायत दर्ज कराने के लिए सुबह ११ बजे तक इंतजार करने को कहा गया। पुलिस ने फोन को ट्रैक करने की सहमति तो दी,

लेकिन सटीक लोकेशन साझा नहीं की। बताया जाता है कि सात लोगों के एक समूह ने पीड़ित को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। उन्होंने कहा कि मैंने कल रात उससे बात की थी जब वह जिला केंद्र पहुंचा था। वह घर से सिर्फ १५ मिनट की दूरी पर था। हमने एक घंटे तक उसका इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आया। एक घंटे बाद, हम जिला केंद्र पहुंचे। उसके साथ पहले दो बार दुर्घटना हो चुकी थी, इसलिए हमने सोचा कि शायद कुछ ऐसा ही हुआ होगा। उसने कहा कि वह हमारे फोन नहीं उठा रहा था। उसकी साइकिल कहीं नजर नहीं आ रही थी। जब हम शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन गए, तो हमें बताया गया कि हमारी शिकायत सुबह ११ बजे से पहले दर्ज नहीं की जाएगी। अनुरोध करने पर, पुलिस ने मेरे दोस्त का पता लगाने में हमारी मदद की और हमें यहां २०० मीटर के दायरे में उसे ढूंढने के लिए कहा। ७ लोग आधी रात से सुबह ७ बजे तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन हम उसे नहीं ढूंढ पाए। रात १ बजे, जब हमने गड्ढे की जांच की, तो वह वहां नहीं था। हम हर समय इसी सड़क पर थे, लेकिन हमारी जांच के बाद हमें समझ नहीं आ रहा कि वह यहां कैसे पहुंच गया।

जनकपुरी में बाइक सवार की मौत पर बड़ी कार्रवाई जल बोर्ड के 3 अफसर निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जनकपुरी खदान दुर्घटना के संबंध में अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत घटना की प्रारंभिक समीक्षा के बाद दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों, एक कार्यकारी इंजीनियर, एक सहायक इंजीनियर और एक जूनियर इंजीनियर को निलंबित कर दिया है। दिल्ली के मंत्री परवेश साहिब सिंह ने कहा कि जनकपुरी लाइन पुनर्वास परियोजना क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों – एक कार्यकारी अभियंता (एएक्सएन), सहायक अभियंता (एई) और कनिष्ठ अभियंता (जेई) – को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई शुक्रवार तड़के पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में जल बोर्ड के निर्माण कार्य के दौरान खोदे गए एक गहरे गड्ढे में गिरने से एक बाइक सवार की मौत के बाद हुई है। इस घटना से जनता में आक्रोश फैल गया और घटनास्थल पर सुरक्षा उपायों, बैरिकेडिंग और निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को नई दिल्ली के जनकपुरी इलाके में एक बाइक सवार की गड्ढे में गिरने से हुई दुखद घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और मृतक के परिवार को आश्वासन दिया कि जल बोर्ड को मामले की जांच के लिए एक विशेष समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है एएनआई से बात करते हुए उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। दुख की इस घड़ी में मैं मृतक के परिवार के साथ खड़ा हूं। मैं परिवार को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैंने दो घंटे तक घटनास्थल का निरीक्षण किया और मैंने देखा कि सभी सुरक्षा उपाय मौजूद थे। फिर भी, मैंने जल बोर्ड को एक समिति गठित करने और मामले की जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा... हमारी सरकार अपनी जिम्मेदारी समझती है। हम सभी परिवार के साथ खड़े हैं और हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है... हम पीड़ित को वापस नहीं ला सकते, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर सकते हैं कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। आज सुबह दिल्ली सरकार ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिसूचना जारी की और कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने भी युवक की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। ग पर एक पोस्ट में, दिल्ली जल बोर्ड ने जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ, चाहे उनका पद कुछ भी हो, कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। पोस्ट में लिखा था, "दिल्ली जल बोर्ड जनकपुरी में स्थित डीजेबी की पाइपलाइन पुनर्वास परियोजना (पाइपलाइन पुनर्वास स्थल) के दौरान हुई दुखद दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करता है और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देयताओं में देरी पड़ी भारीः सीडीओ का एक्शन, लिपिक मनोज शुक्ला निलंबित

लखीमपुर खीरी। सफाई कर्मियों की देयताओं में अनावश्यक विलंब आखिरकार भारी पड़ गया। पंचायती राज विभाग में तैनात लिपिक मनोज शुक्ला को सीडीओ

अभिषेक कुमार ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कार्रवाई की खबर मिलते ही विकास भवन में हलचल तेज हो गई। जानकारी के अनुसार जिले के १० विकास खंडों में कार्यरत सफाई कर्मियों के स्थापना संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी मनोज शुक्ला के पास थी। लंबे समय से वेतन और अन्य देयताओं के निस्तारण में देरी की शिकायतें मिल रही थीं। पूर्व में चेतावनी जारी कर कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने स्वयं संज्ञान लिया। प्रारंभिक जांच में लापरवाही की पुष्टि होने पर निलंबन की कार्रवाई कर दी गई। सीडीओ ने साफ कहा कि कर्मचारियों की देयताओं से जुड़े मामलों में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। सीडीओ के इस कड़े रुख से विकास भवन के अन्य कर्मचारियों में भी संदेश गया है कि समयबद्धता और पारदर्शिता से ही कार्य करना होगा। सूत्रों के मुताबिक, विभागीय कार्यों की समीक्षा अब और सख्ती से की जाएगी, ताकि आम कार्मिकों को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े। बताते चलें कि सीडीओ ने कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए एक विशेष दिवस निर्धारित किया है, जिस दिन संबंधित अधिकारी प्राथमिकता के आधार पर उनकी शिकायतें सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हैं।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य पर चोरी से पेड़ काट लेने का आरोप वन विभाग ने कार्रवाई शुरू की

मोहम्मदी खीरी। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में खड़े कीमती पेड़ों को चोरी से काट ले जाने का प्रधानाचार्य पर आरोप लगते ही हड़कंप मच गया जांच को पहुंची वन विभाग की टीम और मीडिया कर्मियों को परिसर में घुसने से रोक दिया जिससे मामला

तूल पड़ गया घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई रेंजर के कड़े रुख के चलते काफी समय बाद वन विभाग की टीम परिसर में जाने की अनुमति मिली मामला देख टीम के होश उड़ गए कीमती पेड़ काटे जा चुके थे अधिकारियों ने मौके से बरामद लकड़ी को कॉलेज के सुरक्षा अधिकारी की अभिरक्षा में देकर कार्रवाई शुरू की है। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में गुरुवार को सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी वन दरोगा अखिलेश सिंह, उप क्षेत्र वन अधिकारी मित्र पाल सिंह तोमर अपनी टीम के साथ जांच को पहुंचे तभी प्राचार्य प्रवेश वर्मा ने उनसे आइडेंटी कार्ड की मांग कर दी जिससे मामला तूल पकड़ गया उन्होंने रेन्जर निर्भय प्रताप शाही को घटना की जानकारी दी उनके आदेश के बाद भी टीम को दाखिल नहीं होने दिया जिस पर उन्होंने मामले की जानकारी डीएफओ ,सीओ अरुण कुमार सिंह, और एसडीएम को दी है। अधिकारियों के कड़े रुख अख्तियार करने पर टीम ने परिसर में दाखिल होकर मामला देख उनके होश उड़ गए मौके से बरामद लकड़ी को रसायन विभाग के प्रवक्ता सुरक्षा अधिकारी भूपेंद्र कुमार सिंह की अभिरक्षा मे दी गई है। डिप्टी रेंजर मो उमर और वन दरोगा अखिलेश सिंह ने मौके से १५ पेड़ सागौन,१ पेड़ शीशम, ३ पेड़ चांदनी,४ पेड़ अमरूद, और पांच पेड़ बकैना प्रजाति के कटे पेड़ों के अवशेष मौके से बरामद हुए हैं बरामदगी का एक प्रपत्र प्रधानाचार्य को रिसीव कराया गया है। मामले की सूचना शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है। रेंजर निर्भय प्रताप शाही ने बताया मामले की जानकारी मिलते ही उच्च अधिकारियों को बताया गया है विधिक कार्रवाई की जा रही है। करवाई होते देखा गिड़गिड़ाने लगे प्रधानाचार्य वन अधिकारियों को कानून का पाठ पढ़ाने लगे जिससे उन्हें कार्रवाई के लिए प्रवेश की अनुमति नहीं दी उच्च अधिकारियों की फटकार लगाते ही गिड़गिड़ाने लगे हैं।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, बीकेटी बेहटा में वार्षिकोत्सव एवं पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

लखनऊ। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, बीकेटी बेहटा में सत्र २०२५–२६ के अंतर्गत वार्षिकोत्सव एवं पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन ०६ फरवरी २०२६ को हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य

अतिथि डॉ. संतोष दिवाकर, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, बेहटा (लखनऊ) रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने नाट्य–गीत के माध्यम से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन मास्टर अनमोल एवं कुमारी जैनब द्वारा किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अंजू मिश्रा एवं समस्त स्टाफ द्वारा अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कक्षा १०वीं एवं १२वीं की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्राओं को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय में समय–समय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया, जिससे अन्य छात्राएं भी उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित हो सकें। विद्यालय में पधारे पूर्व छात्र– छात्राओं का प्रधानाचार्या द्वारा पुष्प भेंट कर स्वागत किया गया। पूर्व छात्राओं ने विद्यालय से जुड़ी अपनी स्मृतियों

को साझा किया, जिससे वातावरण भावुक और आत्मीय बन गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। सर्वप्रथम कक्षा ११ की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत "आरंभ है प्रचंड" नृत्य के माध्यम से नारी शक्ति का सशक्त संदेश दिया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके पश्चात कक्षा ११ की छात्रा अनमोल ने अपने गीत के माध्यम से सतत प्रयास और परिश्रम से सफलता प्राप्त करने का संदेश दिया। भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करता कजरी गीत तथा बच्चों को नशे से दूर रहने की प्रेरणा देता नशा मुक्ति नाटक दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित करने में सफल रहा। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या डॉ. अंजू मिश्रा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्हें अल्पाहार हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ, छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

29 वी बाबा टेढेनाथ धाम से निकली ध्वजा यात्रा

अमीरनगर। बाबा टेढेनाथ धाम पर २६ वां श्री महारूद्र यज्ञ के लिए शुक्रवार को ध्वजा यात्रा का शुभारंभ किया गया। यात्रा का शुभारंभ बाबा

टेढेनाथ धाम से बाबा जंगलीनाथ, बाबा गरीब नाथ, बटेश्वर नाथ, बनखंडी नाथ, सिद्धनाथ, बरानाथ, भोगियापुर सिद्धेश्वर नाथ बाबा झारखंड बाबा ककरहा होते हुए बाबा टेढेनाथ धाम पर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर अजय पाल गुप्ता, लालाराम शर्मा, राजेश शर्मा, रामासरे वाजपेई एडवोकेट, राजीव मिश्रा, राम बहादुर वाजपेई, विमलेश मिश्रा, रामनरेश अवस्थी, चंद्र कुमार यादव, जीतू शुक्ला, बेंचेलाल राममूर्ती यादव मोहर सिंह यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विधायक राजेश्वर सिंह पर टिप्पणी करने के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह के खिलाफ कथित तौर पर मानहानिकारक और भड़काऊ टिप्पणी करने के मामले में लखनऊ के सरोजिनी नगर थाना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राजेश्वर सिंह लखनऊ जिले के सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र से (भाजपा) के विधायक हैं। वह पूर्व में उत्तर प्रदेश पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय में बतौर अधिकारी कर चुके हैं। पुलिस के अनुसार यह मामला पांच फरवरी को सरोजिनी नगर पुलिस थाना में दर्ज किया गया। उसने बताया कि यह मामला एक फरवरी को सरोजिनी नगर क्षेत्र के गौरी–बिजनौर रोड स्थित नटकुर तिराहा पर आयोजित एक राजनीतिक सभा में अजय राय द्वारा विधायक के खिलाफ दिए गए भाषण से संबंधित है। विधायक के सहयोगी शिवशंकर सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, अजय राय ने जनसभा के दौरान सिंह के खिलाफ ''झूठे, मानहानिकारक और भड़काऊ'' बयान दिए। शिकायत के मुताबिक राय के उक्त भाषण को रिकॉर्ड किया गया और सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया, जिसमें एक फेसबुक रील भी शामिल है जिसे कथित तौर पर २५,००० से अधिक बार देखा गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राय ने विधायक पर ''पूरे देश

और लखनऊ को लूटने'' और प्रवर्तन निदेशालय में अपने कार्यकाल के दौरान 'कदाचार' में लिप्त होने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि 'बेबुनियाद' आधार पर ''ये टिप्पणियों की गईं जो चुने हुए प्रतिनिधि की छवि को धूमिल करने और राजनीतिक और सामाजिक द्वेष को भड़काने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से की गई।'' पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३५२ (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), ३५३ (सार्वजनिक उपद्रव) और ३५६ (मानहानि) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। कृष्णा नगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) रजनीश वर्मा ने बताया कि पुलिस को मिली शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, श्श्मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्यवाही तदनुसार की जाएगी।'' इस प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष हिंदवी ने कहा, 'ये राजनीतिक बयान हैं और उनके पक्ष के लोग जो सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, अक्सर बेहद आपत्तिजनक कृत्यों में संलिप्त रहते हैं। इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा, हमने भी उनके खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है, लेकिन हमारी शिकायत पर कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। इस पहलू पर भी गौर किया जाना चाहिए।'' हिंदवी ने बताया, ''इस मामले में शिकायत दर्ज कराना हर किसी का अधिकार है। अगर उनकी शिकायत दर्ज हो चुकी है, तो अदालत इसका संज्ञान लेगी और सच्चाई सामने आ जाएगी।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर शनिवार को विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रही है।

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड के नाम पर फर्जी परीक्षा तिथि वायरल, अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (**UPPRPB**) द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बोर्ड से संबंधित किसी भी प्रकार की परीक्षा संबंधी सार्वजनिक सूचना, निर्देश अथवा विज्ञप्ति केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट – **www-uppbpb-gov-in** तथा आधिकारिक एक्स (ट्विटर) हैंडल /नचचतचइ के माध्यम से ही जारी की जाती है। बोर्ड ने अभ्यर्थियों एवं आमजन से अपील की है कि इसके अतिरिक्त किसी भी अन्य स्रोत से प्राप्त पत्र, सूचना अथवा संदेश पर विश्वास न करें, क्योंकि वे भ्रामक अथवा फर्जी हो सकते हैं। साथ ही ऐसी किसी भी भ्रामक या फेक सूचना के प्रचार–प्रसार में सम्मिलित न हों। ऐसा पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने यह भी अवगत कराया कि हाल ही में सोशल मीडिया पर भर्ती बोर्ड के नाम से कूटरचना कर एक फर्जी पत्र प्रसारित किया गया, जिसमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती की लिखित परीक्षा की भ्रामक तिथि का उल्लेख किया गया था। इस संबंध में थाना हुसैनगंज, कमिश्नरेट लखनऊ में अपराध संख्या ११ध्२६ पंजीकृत कराया गया है। यह प्रथम सूचना रिपोर्ट अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्रतिरूपण, अभ्यर्थियों के मध्य न्यूसेन्स की स्थिति उत्पन्न करने, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने तथा इलेक्ट्र निक मीडिया के दुरुपयोग के आरोप में भारतीय न्याय सहिता २०२३ की धारा ३१६(२), ३३८, ३३६(२), ३३६(३), ३३६(४), ३४०(२), २२१, २७० एवं आईटी एक्ट की धारा ६६ के अंतर्गत दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती की लिखित परीक्षा की तिथि भर्ती बोर्ड द्वारा पूर्व में ही ०३ दिसंबर को घोषित की जा चुकी है। यह परीक्षा १४ एवं १५ मार्च २०२५ को आयोजित की जाएगी, जो कुल चार पालियों में संपन्न कराई जानी प्रस्तावित है। अतः समस्त अभ्यर्थियों से पुनः अनुरोध है कि किसी भी प्रकार की आधिकारिक एवं विस्तृत सूचना के लिए केवल भर्ती बोर्ड की वेबसाइट **www-uppbpb-gov-in** एवं एक्स हैंडल /**upprpb** का ही अवलोकन करें।

लोधेश्वर महादेवा धामरू डीएम ने अव्यवस्था पर जताई नाराजगी, कहा- श्रद्धालुओं के लिए सारी व्यवस्थाएं हों दुरुस्त

बाराबंकी। सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम में चल रहे फागुनी मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में बैरिकेडिंग, पेयजल, शौचालय, साफ–सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को देखा और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। डीएम और एसपी ने ऑडिटोरियम और बोहनिया तालाब पर लगाई गई बैरिकेडिंग जाल की स्थिति का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं के पूजन–दर्शन के लिए बनाए गए होल्डअप बैरिकेडिंग की मजबूती देखी। मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग द्वारा बनाए गए रैन बसेरा का भी निरीक्षण किया गया। बंद पड़े आरओ के संबंध में जानकारी लेने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और इसे शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने अभरण सरोवर तालाब और महिलाओं के लिए बनाए गए चेंजिंग रूम का भी निरीक्षण किया। पंचायत भवन के निकट बनाए गए शौचालयों को चालू रखने के निर्देश दिए गए। मेले बाग में दुकानों की व्यवस्था की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर कीचड़ और जलभराव मिलने पर तुरंत मिट्टी डालकर मार्ग दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। इसके बाद पीएचसी के सामने बने रैन बसेरा का निरीक्षण करते हुए प्रकाश, शौचालय और अन्य व्यवस्थाएं ठीक कराने के साथ खंड विकास अधिकारी सूरतगंज से फोटो उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके अतिरिक्त, महादेवा–लोधौरा

मार्ग के किनारे पीडब्ल्यूडी द्वारा डाली गई गिट्टियों और केसरीपुर–महादेवा मार्ग के गड्ढों को तत्काल समतल कराने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने आदि देव महादेव शिवलिंग का विधिवत पूजन–अर्चन कर जनकल्याण की कामना की और मेले में आए श्रद्धालुओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर अपर सीडीओ अ सुदन, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीएमओ अवधेश कुमार यादव, अधिशासी अभियंता शशिकांत सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामनगर, सीओ रामनगर, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय, बीडीओ देवेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार यादव, सीएचसी अधीक्षक प्रणव श्रीवास्तव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। रामनगररू सुप्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम में फागुनी मेले को लेकर कांवड़ियों का आगमन शुक्रवार से तेज होने लगा है। खासकर कानपुर और उन्नाव क्षेत्र से आए शिवभक्त बोल बम के जयकारों के साथ पैदल यात्रा कर मंदिर पहुंच रहे हैं। रास्ते में बोहनिया में स्नान कर जलाभिषेक करने के बाद श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद ले रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन साफ–सफाई, बिजली, पेयजल और सुरक्षा की व्यवस्था दुरुस्त कर रहा है। जिलाधिकारी के पूर्व निर्देशों के अनुसार मंदिर परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थानीय दुकानदार और ग्रामीण भी आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना बता रहे हैं, जिससे अस्थायी दुकानें और प्रसाद व पूजन सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं।

जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया तीखा हमला

लखनऊ। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि उन्होंने गुरुवार को राज्यसभा में बोलते हुए विपक्ष के नेता (एलओपी) द्वारा उठाए गए किसी भी गंभीर प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। र पर एक पोस्ट में, रमेश ने प्रधानमंत्री के भाषण को असुरक्षाओं का विशाल पुलिंदा और झूठ का घुमक्कड़ बताया। रमेश ने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री ने कल शाम राज्यसभा में एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि वे कितने असुरक्षाओं के पुलिंदे हैं, कितने झूठ के घुमक्कड़ हैं, पूर्वाग्रहों का भंडार हैं और कितनी घृणा और जहर के स्रोत हैं। भाषण की और निंदा करते हुए रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री की घोषणाएं उन्हें अच्छा इंसान होने से और दूर ले जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का ६७ मिनट का भाषण दयनीय से भी बदतर था और उन्हें अपनी ही नफरतों का कैदी बताया। कांग्रेस सांसद ने लिखा कि एक बात तो स्पष्ट है। वे खुद को महान व्यक्ति बताते रह सकते हैं। लेकिन जितना अधिक वे ऐसा कहेंगे, उतना ही यह स्पष्ट होता जाएगा कि वे अच्छे व्यक्ति नहीं हैं और कभी हो भी नहीं सकते। उनके ६७ मिनट के भाषण को दयनीय कहना भी कम होगा। वे अपनी ही नफरतों के कैदी हैं। उन्होंने राज्यसभा में विपक्ष के प्रतिनिधि द्वारा उठाए गए किसी भी गंभीर प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। रमेश ने आगे प्रधानमंत्री पर अ परेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावे पर प्रतिक्रिया न देने का आरोप लगाया। जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण के अनुसार, लोकसभा में विपक्ष के प्रतिनिधि राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री पर लगाए गए आरोपों को दोहराते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने १६ जून, २०२० को चीन को क्लीन चिट भी दे दी थी। रमेश ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन डीसी में उनके करीबी दोस्त १० मई, २०२५ को अ परेशन सिंदूर को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की बात को सौ साल से दोहरा रहे हैं। फिर भी प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर पूरी तरह से चुप हैं – ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने १६ जून, २०२० को पूर्वी लद्दाख में बीस से अधिक जवानों के शहीद होने के बाद चीन को दी गई अपनी कुख्यात क्लीन चिट पर चुप्पी साधे रखी थी। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरुवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस श्मोहब्बत की दुकानश की बात करती है, लेकिन वह उनसे नफरत करती है और उसकी नीतियां नागरिकों की क्षमता को साकार करने में विफल रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश फिल्म सिटी अब हकीकत, मॉम–2 से होगी शूटिंग की शुरुआत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' ने अब जमीनी रफ्तार पकड़ ली है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर क्षेत्र में विकसित की जा रही उत्तर प्रदेश की इस पहली इंटरनेशनल फिल्म सिटी में पहली फिल्म शूटिंग के रूप में 'मॉम–२' का फिल्मांकन होने जा रहा है। फिल्म सिटी परिसर में शूटिंग को लेकर प्रारंभिक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। परियोजना का निर्माण कर रहे बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के ज्वाइंट वेंचर 'बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड' ने जमीन की मैपिंग का कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मैपिंग पूरी होने के बाद करीब २० दिनों के भीतर शूटिंग सेट तैयार कर लिया जाएगा, जिसके बाद फिल्म की शूटिंग शुरू होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि इंटरनेशनल फिल्म सिटी प्रोजेक्ट का कार्य बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्माता–निर्देशक बोनी कपूर व भूटानी ग्रुप को संयुक्त रूप से मिला है। इस कंपनी ने यमुना एक्सप्रेसवे

औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के साथ एग्रीमेंट साइन किया है। यीडा द्वारा लेआउट प्लान को मंजूरी दिए जाने के बाद परियोजना के पहले चरण की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्रोजेक्ट के जीएम राजीव अरोड़ा ने बताया कि शूटिंग की तैयारियों के साथ–साथ फिल्म सिटी के निर्माण कार्य की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। जमीन की मैपिंग पूरी होने के बाद करीब २० दिनों के भीतर शूटिंग सेट तैयार कर लिया जाएगा, जिससे फिल्म निर्माण से जुड़ी गतिविधियां शुरू हो सकेंगी। इसके साथ ही फिल्म सिटी के निर्माण का कार्य भी शुरू हो जाएगा और जल्द ही सीएम योगी व पीएम मोदी के कर कमलों से इसका विधिवत शुभारंभ होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बोनी कपूर की कंपनी ने ही २०१७ में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'मॉम' को प्रोड्यूस किया था और अब उन्होंने इसके दूसरे पार्ट की शूटिंग को यूपी में करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इंटरनेशनल फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर–२१ में विकसित की जा रही है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश को फिल्म, ओटीटी, वेब सीरीज समेत एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाना है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट विकसित हो रही यह फिल्म सिटी आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और वर्ल्ड–क्लास सुविधाओं के साथ प्रदेश को एक एंटरटेनमेंट और एवियेशन हब के रूप में स्थापित करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि फिल्म सिटी की औपचारिक शुरुआत से पहले 'मॉम–२' जैसी फिल्म की शूटिंग इस बात का संकेत है कि यूपी की फिल्म प लिसी और इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर फिल्म इंडस्ट्री का भरोसा तेजी से बढ़ रहा है। यह परियोजना आने वाले समय में मुंबई समेत देश के अन्य फिल्म निर्माण केंद्रों का एक सशक्त विकल्प बन सकती है।

करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट बना बिग बॉस शो :नोरा फतेही

मुम्बई। फिल्म जगत में नाम कमाना आसान नहीं होता, खासकर जब कोई दूसरे देश से आकर ब लीवुड में जगह बनाए। नोरा फतेही ने यह मुश्किल सफर तय किया और आज 'डांसिंग क्वीन' के नाम से जानी जाती हैं। 'दिलबर दिलबर', 'मनहारी', 'ओ साकी साकी' जैसे हिट गानों में उनके शानदार डांस स्टेप्स ने दर्शकों का दिल जीत लिया। विदेशी मूल की होने के बावजूद मेहनत और टैलेंट से उन्होंने ब लीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई। ६ फरवरी को नोरा फतेही का जन्मदिन है। सफल फिल्मों में अपने शानदार डांस के स्टेप्स डाल चुकीं नोरा को काफी पसंद किया जाता है। हालांकि, करियर बनाने का उनका सफर आसान नहीं बल्कि मुश्किल भरा रहा। शुरुआत में उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ा, खासकर भाषा और पारिवारिक दबाव की वजह से। नोरा एक रूढ़िवादी परिवार से

आती हैं। उनके घर में डांस को लेकर सख्ती थी। इस बात का जिक्र उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में करते हुए बताया कि वह अपने कमरे में छिप–छिपाकर डांस की प्रैक्टिस करती थीं, ताकि परिवार को पता न चले। बाहर निकलकर ऑडिशन देने जातीं, लेकिन हिंदी न आने की वजह से मुश्किलें बढ़ जातीं। लोग उनका मजाक उड़ाते और कई बार तो भद्दे कमेंट्स का सामना भी करना पड़ता। कई बार तो वह रो पड़ती थीं। तमाम मुश्किलों के बीच नोरा और उनके करियर दोनों के लिए सलमान खान का शो 'बिग बॉस' टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। नोरा ने 'बिग बॉस' के ९वें सीजन में वाइल्ड कार्ड एंट्री लीं। शुरुआत में उन्हें दिक्कत हुई लेकिन शो के दौरान उनके डांस, परफ मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 'बिग बॉस' ने उन्हें घर–घर पहुंचाया और लोकप्रिय बनाने में मदद की। यही नहीं इस शो ने उनके लिए ब लीवुड के दरवाजे खोल दिए। 'बिग बॉस' के बाद नोरा की किस्मत पलट गई। उन्हें 'सत्यमेव जयते २' में 'कमरिया' गाने से बड़ा ब्रेक मिला, जो सुपरहिट हुआ। उसके बाद 'दिलबर', 'ओ साकी साकी', 'गुलाबी' जैसे गाने आए, जिनमें उनका डांस देखकर लोगों ने तालियां बजाई और सराहना की। आज नोरा को 'डांसिंग क्वीन' भी कहा जाता है। उनके इंस्टाग्राम पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं और उनके डांस को पसंद करने वालों की लिस्ट भी लंबी है, उनका हर स्टेप वायरल होता है। नोरा ने कई इंटरव्यू में बताया कि 'बिग बॉस' उनके करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट था। उससे पहले लोग उन्हें सिर्फ एक विदेशी लड़की समझते थे, लेकिन शो ने उनकी मेहनत और जज्बे को दिखाया।

'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ पर अनुपम खेर ने जताया आभार

मुम्बई। अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यह फिल्म हाल ही में मुंबई के प्रतिष्ठित काला घोड़ा आर्ट्स फेस्टिवल में दिखाई गई, जहां इसको हर किसी ने पसंद किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम के जरिए इस फेस्टिवल का दिल से शुक्रिया अदा किया। अनुपम ने इवेंट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि ऐतिहासिक फेस्टिवल में उनकी फिल्म दिखाने का मौका मिलना गर्व की बात है। अभिनेता ने लिखा, "फेस्टिवल का माहौल, जगह और व्यवस्था बहुत अच्छी लगी। सभी व लंटियर्स ने भी कमाल का काम किया। अनुपम ने यह भी कहा कि फिल्म देखने के बाद वहां के लोगों की प्रतिक्रिया देखकर वे काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने लिखा, "लोग तालियां बजा रहे थे, हंस रहे थे, और कुछ की आंखों में आंसू भी थे। मॉडरेटर जूही ने बहुत संवेदनशीलता और गर्मजोशी से सेशन संभाला। अनुपम ने बताया कि सवाल–जवाब सेशन दिल छूने वाला पल था। उस दौरान एक सज्जन भावुक हो गए थे। उन्होंने लिखा, "फिल्म में लीड अभिनेत्री शुभांगी दत्त का अभिनय देखकर उन सज्जन को अपने २५ साल के ऑटिस्टिक बेटे की याद आ गई।

मैंने उनसे कहा कि घर जाकर बेटे को मेरी तरफ से गले जरूर लगाएं। उसके बाद सज्जन ने बताया कि उनके बेटे का हाल ही में निधन हो गया है, लेकिन तन्वी के किरदार ने उन्हें थोड़ा सुकून दिया। अभिनेता ने आखिरी में लिखा कि कभी–कभी सिनेमा सच में जादू कर देता है, खासतौर पर तन्वी द ग्रेट जैसी फिल्में। फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में अनुपम ने अभिनय के साथ निर्देशन भी किया। इसमें शुभांगी दत्त मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक ऑटिस्टिक लड़की की है, जो दुनिया को अपने नजरिए से देखती है और बाधाओं को पार करती है। फिल्म ने दर्शकों के दिल जीते और ऑटिज्म के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाई।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक